Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,

Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9041488440
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No. PBBIL/26/A0779

Fri - 26 Jun - 2026	Year - 01	Issue - 81	Page - 01	Rs. - 5	www.azadvaani.com

मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली में 11 घंटे की दुर्लभ हार्ट सर्जरी से 52 वर्षीय मरीज को मिला नया जीवन

चंडीगढ़: मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और दुर्लभ 11 घंटे लंबी कार्डियक सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर 52 वर्षीय मरीज मोहिंदर कुमार को नया जीवन दिया। रोपड़ निवासी मोहिंदर कुमार पिछले तीन वर्षों से गंभीर हृदय रोग से जूझ रहे थे, जबकि पिछले चार महीनों में उनकी स्थिति तेजी से बिगड़ गई थी। सांस लेने में गंभीर तकलीफ होने पर उन्हें मैक्स हॉस्पिटल लाया गया, जहां जांच में पता चला कि उनके हृदय के तीनों वाल्व गंभीर रूप से प्रभावित थे और मुख्य धमनी (एओर्टा) में 53 मिमी का बड़ा एन्यूरिज्म विकसित हो चुका था। समय रहते इलाज न मिलने पर यह स्थिति कभी भी जानलेवा साबित हो सकती थी।

विशेषज्ञों के अनुसार मरीज के हृदय की कार्यक्षमता सामान्य क्षमता के केवल 30 प्रतिशत तक सीमित रह गई थी, जिससे सर्जरी अत्यंत जोखिमपूर्ण हो गई थी। इसके बावजूद मैक्स हॉस्पिटल की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम ने चुनौती स्वीकार करते हुए एक ही ऑपरेशन में कई जटिल प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस दुर्लभ सर्जरी का नेतृत्व मैक्स हॉस्पिटल के सीनियर डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, डॉ. शशि जिंदल तथा प्रिंसिपल कंसल्टेंट, कार्डियक एनेस्थीसिया एवं इंटेंसिव केयर, डॉ. शैलेश ओझा ने किया। ऑपरेशन के दौरान दो खराब हृदय वाल्वों को बदलने, तीसरे वाल्व की सफल मरम्मत करने तथा एओर्टा के प्रभावित हिस्से का पुनर्निर्माण किया गया। यह सभी प्रक्रियाएं एक ही सर्जरी में पूरी की गईं, जो अत्यंत दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मानी जाती हैं।

डॉ. शशि जिंदल ने बताया कि यह उनके करियर की सबसे कठिन कार्डियक सर्जरी में से एक थी। उन्होंने कहा कि महाधमनी एन्यूरिज्म और गंभीर मल्टी-वाल्वुलर हृदय रोग का एक साथ होना बेहद कम मामलों में देखने को मिलता है। आमतौर पर ऐसी स्थितियों का इलाज अलग-अलग चरणों में किया जाता है, लेकिन मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी समस्याओं का एक साथ उपचार करना आवश्यक था, जिससे उसके जीवित रहने की संभावना बढ़ सके।

वहीं, डॉ. शैलेश ओझा ने बताया कि मरीज का हृदय पहले से ही काफी कमजोर हो चुका था, जिसके कारण सर्जरी का जोखिम कई गुना बढ़ गया था। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान कार्डियक एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर टीम ने अत्यंत सावधानी और समन्वय के साथ कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा।

सर्जरी के बाद मरीज को लगातार 16 दिनों तक क्रिटिकल केयर यूनिट में विशेषज्ञों की निगरानी में रखा गया। इस दौरान उनकी स्थिति में लगातार सुधार होता गया और स्वास्थ्य स्थिर होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

साइबर अपराध पर पंजाब पुलिस का बड़ा प्रहार, 63,749 बैंक खाते फ्रीज़; 64 करोड़ रुपये की कराई रिकवरी

चंडीगढ़, 26 जून: पंजाब पुलिस के राज्य साइबर क्राइम डिवीजन ने साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले एक वर्ष में 63,749 संदिग्ध बैंक खाते फ्रीज़ किए हैं, जिनमें करीब 540.34 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी वाले लेन-देन शामिल थे। वर्ष 2024 से अब तक पुलिस ने पीड़ितों को लगभग 64 करोड़ रुपये वापस दिलाने में सफलता हासिल की है, जिनमें से 38.42 करोड़ रुपये की रिकवरी 1 जनवरी 2025 के बाद हुई।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि समय रहते बैंक खाते फ्रीज़ करने से साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने और पीड़ितों का पैसा वापस दिलाने में बड़ी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और त्वरित कार्रवाई से संगठित साइबर गिरोहों के तौर-तरीकों और अंतरराज्यीय नेटवर्क का भी खुलासा हुआ है।

जालंधर कमिश्नरेट में सबसे अधिक 16,032 बैंक खाते फ्रीज़ किए गए, जबकि कपूरथला, होशियारपुर, फिरोजपुर और तरनतारन में भी बड़ी कार्रवाई की गई।

गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित पांचवां राष्ट्रीय सेमिनार 28 जून को चंडीगढ़ में

चंडीगढ़, 26 जून: बाणी विचार चेतना मंच (पंजाब) द्वारा गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार श्रृंखला के तहत पांचवें सेमिनार का आयोजन 28 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सेक्टर-30ए स्थित गुरु रविदास गुरुद्वारा साहिब, चंडीगढ़ में किया जाएगा। सेमिनार में गुरु रविदास जी के जीवन, वाणी और दर्शन पर विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न संस्थानों में हुए शोध कार्यों पर आधारित शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

सेमिनार के समन्वयक एवं बाणी विचार चेतना मंच के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फतेहजंग सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु रविदास जी के समतावादी एवं मानवतावादी विचारों को समाज तक पहुंचाना है।

नशा मुक्ति और जेल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में पंजाब का बड़ा कदम, यूएनओडीसी के साथ साझेदारी और हुई मजबूत

चंडीगढ़/लुधियाना, 26 जून: अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर पंजाब सरकार ने जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं, नशा मुक्ति और पुनर्वास व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी), पंजाब जेल विभाग और गैर-सरकारी संस्था टीवाईसीआईए के संयुक्त तत्वावधान में लुधियाना में "ड्रग्स, एचआईवी और जेल स्वास्थ्य" विषय पर एक उच्चस्तरीय हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यभर के वरिष्ठ अधिकारी, जेल प्रशासन, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल हुए।

कार्यक्रम का उद्देश्य जेलों में बंद कैदियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना, नशा मुक्ति कार्यक्रमों को सुदृढ़ करना तथा पुनर्वास की व्यापक व्यवस्था विकसित करना था। पूरे दिन चले इस मंथन में जेलों में मादक पदार्थों की लत, एचआईवी, मानसिक स्वास्थ्य और संक्रामक रोगों से जुड़ी चुनौतियों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के तहत नशा मुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नशे की लत को अपराध नहीं बल्कि एक बीमारी मानते हुए उपचार को प्राथमिकता दी है। पिछले एक वर्ष तीन महीनों के दौरान 10,000 से अधिक ऐसे लोगों को, जो जेल पहुंच सकते थे|

उन्होंने बताया कि पंजाब की जेलों में ओओएटी (ओपिओइड असिस्टेड ट्रीटमेंट) क्लीनिक संचालित किए जा रहे हैं, जहां कैदियों को नशा छोड़ने में सहायता मिल रही है। साथ ही कौशल विकास के लिए आईटीआई पाठ्यक्रम, मनोचिकित्सकों और काउंसलरों की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं ताकि जेलें केवल दंड देने का स्थान न होकर उपचार, सुधार और पुनर्वास के केंद्र बन सकें।

जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि पंजाब एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषसिद्धि के मामलों में देश में अग्रणी है और अब सुधारात्मक न्याय व्यवस्था का भी मॉडल राज्य बनना चाहता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज से नशे का पूरी तरह उन्मूलन करने के साथ-साथ प्रत्येक नशा पीड़ित को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और पुनर्वास उपलब्ध कराना है।

कार्यक्रम के दौरान जेल महानिरीक्षक (आईएएस) मोहम्मद तैयब ने जेलों में उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों पर विशेष प्रस्तुति दी। विशेषज्ञों ने जेलों में नशा रोकथाम, संक्रामक रोगों की रोकथाम, महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवाएं, दिव्यांग कैदियों की विशेष जरूरतें, मानसिक स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य, ओपिओइड निर्भरता के उपचार, मनोसामाजिक सहयोग और रिहाई के बाद भी उपचार की निरंतरता जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

भगवंत मान सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई, मोगा नगर निगम आयुक्त को कारण बताओ नोटिस

चंडीगढ़/मोगा, 23 जून: पंजाब सरकार ने राज्य में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए मोगा नगर निगम आयुक्त के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा मोगा शहर के औचक निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में चलाए जा रहे "मिशन क्लीन पंजाब" के तहत किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सुबह शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर खुले में पड़े कूड़े के ढेर और असंतोषजनक सफाई व्यवस्था देखने को मिली, जो सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता मानकों के विपरीत पाई गई। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए नगर निगम आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही या अनदेखी के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है और किसी भी अधिकारी को अपनी जिम्मेदारी से बचने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग बेहतर जीवन स्तर और स्वच्छ शहरों के हकदार हैं तथा इस दिशा में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि "मिशन क्लीन पंजाब" केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। अभियान के तहत नगर निगम आयुक्तों और कार्यकारी अधिकारियों को प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक फील्ड निरीक्षण करना अनिवार्य किया गया है। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए शहरों को 10 किलोमीटर के जोनों में विभाजित किया गया है, जिनकी निगरानी नामित अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

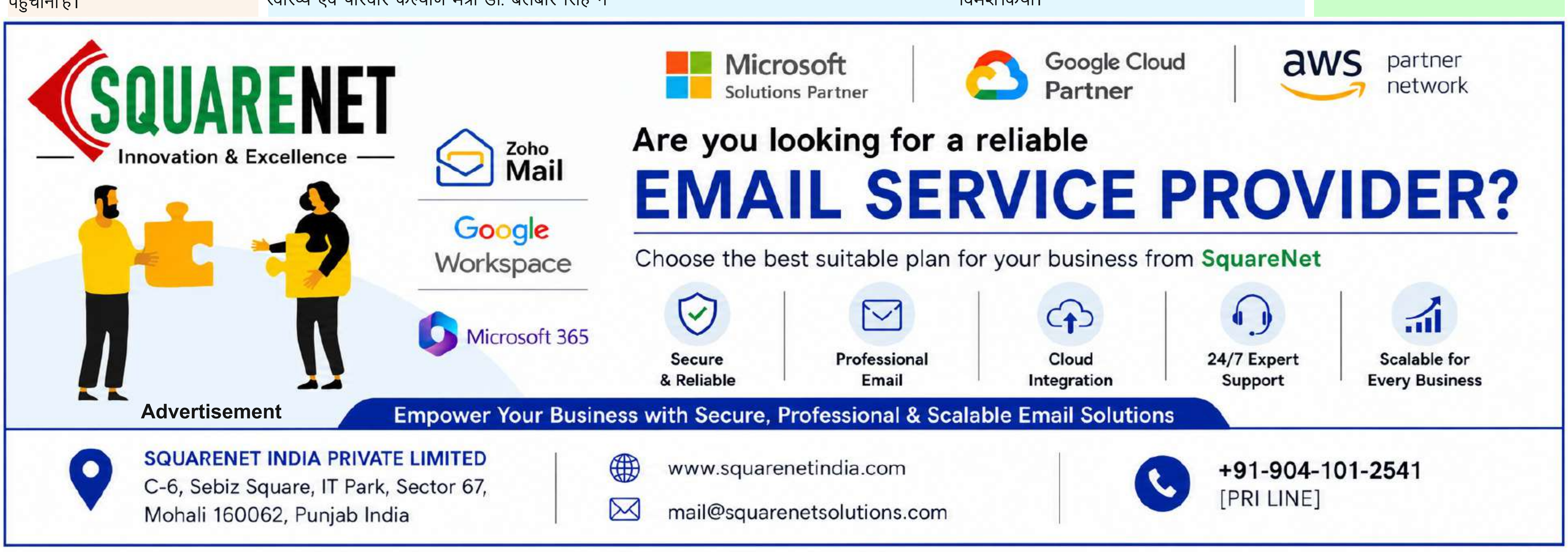

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.